By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-11

Topic – Approaches to the Study of Comparative Politics

Class – B.A. Degree – II (sub.)

Subject – Political Science

Date – 3 October, 2020

By Rahul kumar Jha.

तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के दृष्टिकोण

राजनीतिक व्यवस्था उपागम :–

(2) आमंड का संरचनात्मक कार्यात्मक विश्लेषण :

आमंड के विश्लेषण की विशेषताएँ :–

राजनीतिक व्यवस्थाओं की संस्कृति :–

आमंड का कहना है कि प्रत्येक राजनीतिक व्यवस्था की अपनी अलग संस्कृति होती है। यह संस्कृति अधिकांशतः परंपरागत व आधुनिक संस्कृतियों का मिश्रण होती है। राजनीतिक विकास के माध्यम से व्यवस्थाएं राजनीतिक समस्याओं को

को सुलझाने के लिए अधिक सक्षम बनती जाती है किंतु अपनी प्राचीन विशेषताओं को वे सदा जुड़ी रहती हैं।

ईस्टन के मॉडल की तुलना - आमंड द्वारा प्रतिपादित संरचनात्मक-कार्यात्मक मॉडल ईस्टन के निवेश-निर्गत मॉडल पर आधारित है। उनकी दृष्टि में भी प्रत्येक राजनीतिक व्यवस्था में तीन कार्य होते हैं - (i) इन्हें पर्यावरण से निवेश प्राप्त होते हैं, (ii) इस निवेश को रूपान्तरित किया जाता है तथा (iii) फिर निर्गत के रूप में बदल दिया जाता है।

आमंड के मॉडल के उपरोक्त चरणों का संक्षेप में वर्णन किया गया है-

(A) राजनीतिक व्यवस्था के निवेश !

आमंड राजनीतिक व्यवस्था के निवेश के अंतर्गत चार कार्यों को सम्मिलित करते हैं !

(i) राजनीतिक समाजीकरण तथा भर्ती,

(ii) हित स्पष्टीकरण,

(iii) हित समूहन,

(iv) राजनीतिक संचार।

(B) राजनीतिक व्यवस्था के निर्गत : जिस विधि के द्वारा राजनीतिक व्यवस्था विभिन्न समूहों व व्यक्तियों की मांगों अर्थात निवेश को रूपांतरित करती है उसे आमंड रूपान्तरण की प्रक्रिया कहते हैं। राजनीतिक व्यवस्था की सफलता का अनुमान इस बात से लगाया जाता है कि वह निवेश को निर्गत में रूपान्तरित करने की कितनी क्षमता रखती है। आमंड की दृष्टि में यह रूपांतरण तीन प्रकार से होता है —

(i) नियम निर्माण करके,

(ii) नियमों को लागू करके तथा

(iii) नियम व्यवस्था के माध्यम से। ये ही राजनीतिक व्यवस्था के निर्गत कार्य होते हैं।

2020/10/3 18:2